Website:- www.dipronline.org
email:- projjn@rediffmail.com,

राजस्थान सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय,झुंझुनू

नक्सली हमलें में शहीद हुये जवानों की अत्येंष्टि में जन सैलाब उमड़ा

सांसद एवं राज्य के काबिना मंत्रियों ने पुष्प चक्र चढ़ाकर श्रंद्धाजलि अर्पित की

शहीदों के पैतृक गांव में सैनिक एवं राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि सम्पन्न

झुंझुनू, 8 अप्रेलः मंगलवार को छतीसगढ़ स्थित दंतेवाड़ा के चिन्तल नार क्षेत्र में नक्सलियों के हमलें में शहीद हुये झुंझुनू जिले के तीन जवानों की अंत्येष्टि गुरूवार को उनके पैतृक गांव लालेड़ा, लाखू एवं टीटनवाड़ में पूर्ण राजकीय एवं सैनिक सम्मान के साथ सम्पन्न हुई। इन शहीदों की शव यात्रा में राज्य के काबिना मंत्री परसादी लाल मीणा, डॉ. जितेन्द्र सिंह, राजेन्द्र पारीक, राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा, राजेन्द्र सिंह गुढ़ा, बृजेन्द्र सिंह ओला एवं सांसद शीशराम ओला के अलावा जन प्रतिनिधियों तथा आस-पास के ग्रामीणों एवं परिजनों का जन सैलाब उमड़ पड़ा।

जिले की खेतड़ी तहसील की ढाणी लालेड़ा गुड़ा मीणान तन पपूरना में प्रातः 10 बजे शहीद सहायक कमाण्डेण्ट बजरंग लाल मीणा का पार्थिव शव घर के आंगन में लिपटा हुआ था तो वहां उनके परिजनों व गांव वासियों ने अंतिम नमन करके अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। शहीद की ससुराल पक्ष की महिलाओं ने अपने लाड़ले दामाद को अंतिम नमन करते हुए उनके पार्थिव शव पर जुहारी के रूप में रूपये भी चढ़ाये। शहीद के घर से जब शव यात्रा रवाना हुई तो एक किलो मीटर लम्बी शव यात्रा में चार-पांच हजार महिला, पुरूष, वृद्ध, बच्चे व युवा शामिल नजर आये। राज्य सरकार की ओर से ऊर्जा मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने शहीद के पार्थिव शव पर पुष्प चक्र चढ़ाकर नमन किया। इस अवसर पर सांसद शीशराम ओला, राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा, पर्यटन राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा, जिला प्रमुख डॉ. हनुमान प्रसाद, पंचायत समिति प्रधान एड़वोकेट बजरंग सिंह चारावास, पूर्व विधायक दाताराम गुर्जर, पूर्व प्रधान मदनलाल गुर्जर, गोकुलचन्द सैनी, दशरथ सिंह शेखावत, पुलिस महानिरीक्षक एम.एल. लाठर, जिला कलेक्टर आलोक गुप्ता व जिला पुलिस अधीक्षक अजयपाल लाम्बा व उपखण्ड मजिस्ट्रे डॉ. भागचन्द बधाल, पुलिस उपाधीक्षक सुरेन्द्र सिंह दिक्षित, तहसीलदार रामनिवास यादव सहित सी.आर.पी.एफ. के डी.आई.जी. (अजमेर) एस.जे. स्केप आदि ने शहीद के पार्थिव शव पर

पुष्प चक्र एवं मालाएं चढ़ाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद के पार्थिव शव को मुखाग्नि शहीद के भाई कैलाश व नरेश ने दी।

शहीद के चाचा के लड़के पप्पुराम मीणा ने बताया कि शहीद के परिवार में 65 वर्षीय माता गीता देवी, तीन भाई जसवन्त, कैलाश व नरेश, शहीद वीरांगना रूकमणी देवी व साढ़े तीन वर्षीय मुन्नी (रिया) हैं। शहीद के पिता गोकुलचन्द मीणा का देहान्त चार-पांच साल पहले हो चुका है। पपूरना पंचायत में इससे पहले भगवान सिंह, धर्मवीर सिंह व राजू सिंह भी शहीद हो चुके हैं। गांव के 20 जवान अभी भी सैना में कार्यरत हैं। शहीद की वीरांगना एम.ए. बी.एड़ तक पढ़ी लिखी है। शहीद के पार्थिव शव को मुखाग्नि देने से पहले केन्द्रीय रिजर्व पुलिस व राजस्थान पुलिस के जवानों की टुकड़ी ने गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर सलामी दी। शहीद के शोक में गुरूवार को पपूरना गांव की सभी दुकाने बंद रही।

......2.....

<u>शहीद की शहादत को सदैव याद किया जायेगा :</u> राज्य के ऊर्जा मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा है कि शहीद बजरंग लाल मीणा ने देश की रक्षा में अपना बलिदान दिया है, इनकी शहादत को सदैव याद रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि शहीद के परिवार को राज्य सरकार की ओर से पूरा पैकेज दिया जायेगा और उनके दुख: दर्द में सरकार व प्रशासन सदैव उनके साथ रहेगा। उन्होंने कहा कि नक्सली हमले में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में शहीद हुये जवानों के कारण देश के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ही नहीं बल्कि राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी चिन्तित हैं। पर्यटन राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि जब भी कोई छोटी-बड़ी घटना या आतंकवादियों के हमले होते हैं तो उनमें जिले का कोई न कोई जवान शहीद अवश्य होता है। हमें ऐसे जवानों की शहादत पर गर्व है।

<u>चिकित्सा मंत्री ने परिजनों को ढांढस बधांया:</u> राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा ने लालेड़ा के शहीद बजरंगलाल मीणा के घर जाकर उनके परिजनों को ढांढस बधांया। उन्होंने कहा कि आपके लाड़ले की शहादत व्यर्थ नहीं जायेगी और इनके जीवन से लोग प्रेरणा लेंगे। चिकित्सा राज्य मंत्री ने मौके पर ही शहीद वीरांगना रूकमणी देवी जो गत दो दिन से बेहोशी की हालत में है उनके उपचार के लिए तीन डॉक्टरों व नर्सिंग स्टॉफ को उनके घर पर ठीक होने तक तैनात किया है। इस अवसर पर मनोज मील सहित अन्य परिजन व ग्रामीण भी उपस्थित थे।

भाई को भाई की शहादत पर गर्व : लालेड़ा (पपूरना) के शहीद बजरंगलाल मीणा के बड़े भाई जसवन्त ने अपने छोटे भाई की शहादत पर गर्व जताते हुये कहा कि मुझे खुशी है कि मेरा भाई देश की रक्षा में शहीद हुआ है। लेकिन मुझे इस बात का दुख: भी है कि मेरे

परिवार का एक सदस्य हमसे अलविदा हो गया है। उन्होंने नक्सलवाद को देश के लिए बड़ी चुनौती बताया।

लाखू के शहीद डिप्टी कमाण्टेण्ड सत्यवान सिंह को भी नम आंखों से विदाई

झुंझुनू, 8 अप्रेल: जिले की चिड़ावा तहसील के लाखू गांव के शहीद डिप्टी कमाण्डेण्ट सत्यवान सिंह यादव की अंत्येष्टि भी पूर्ण राजकीय व सैनिक सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव में दोपहर में की गई। राज्य के उद्योग मंत्री राजेन्द्र पारीक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा, सहकारिता राज्य मंत्री बृजेन्द्र सिंह ओला व सांसद शीशराम ओला, जिला प्रमुख डॉ. हनुमान प्रसाद, सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार, पिलानी विधायक सुन्दरलाल, सूरजगढ़ प्रधान सविता पूनिया, पूर्व विधायक डॉ. मूलसिंह शेखावत सहित पुलिस महानिरीक्षक एम.एल. लाठर, जिला कलेक्टर आलोक गुप्ता, पुलिस अधीक्षक अजयपाल लाम्बा, उपखण्ड अधिकारी नारायण सिंह शेषमा, पुलिस उपाधीक्षक सुरेश कुमार खींची, तहसीलदार इन्द्राज सिंह, सी.आर.पी.एफ. (अजमेर) के डी.आई.जी. बी.एस. राठौड़, चिड़ावा के सैनिक कल्याण अधिकारी मेजर कप्तान सिंह, सूरजगढ़ के पूर्व उप प्रधान सुभाष पूनिया, मनोज मील, पूर्व प्रधान संतोष अहलावत व दशरथ सिंह शेखावत आदि ने पुष्प चक्र एवं मालाएं चढ़ाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद के लड़के संजीत व नितिन ने मुखाग्नि दी। इससे पूर्व सी.आर.पी.एफ. (अजमेर) व राजस्थान पुलिस की टुकड़ी ने गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया।

.....3.....

शहीद के परिवार में उनके बड़े भाई सुमेर सिंह भी सी.आर.पी.एफ. से कमाण्डेण्ड के पद से सेवानिवृत हो चुके हैं। छोटा भाई काशीराम खेती का काम करता है। शहीद की माता बनारसी देवी (98 वर्ष) व शहीद वीरांगना राजबाला हैं। शहीद की अंत्येष्टि गांव में सड़क किनारे की गई जहां बड़ी संख्या में महिला पुरूष व बच्चें, जन प्रतिनिधि, परिजन व ग्रामीण उपस्थित थे। शहीद की शहादत के नारे भी यहां लगाये जा रहे थे। उद्योग मंत्री ने राष्ट्रीय ध्वज उनके परिजनों को सुपुर्द किया।

सहकारिता मंत्री परसादी लाल मीणा ने शहीद सम्पत लाल को पुष्प चक्र अर्पित किया

झुंझुनू, 8 अप्रेल: नक्सली हमले में ही जिले के तीसरे शहीद सम्पत लाल मेघवाल की अंत्येष्टि भी गुरूवार को ही पूर्ण राजकीय एवं सैनिक सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव उदयपुरवाटी पंचायत समिति के टीटनवाड़ गांव में अपराह्न तीन बजे की गई। सहकारिता मंत्री

परसादी लाल मीणा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा, पर्यटन राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा, सांसद शीशराम ओला, जिला प्रमुख डॉ. हनुमान प्रसाद, उप जिला प्रमुख विद्याधर सिंह गिल, पूर्व विधायक नौरंग सिंह, पुलिस महानिरीक्षक एम.एल. लाठर, जिला कलेक्टर आलोक गुप्ता, जिला पुलिस अधीक्षक अजयपाल लाम्बा, उपखण्ड अधिकारी बिहारीलाल मीणा, पुलिस उपाधीक्षक राकेश काछवाल, तहसीलदार उत्तम सिंह सहित पूर्व प्रधान विद्याधर ओलखा, भाटीवाड के पूर्व सरपंच विजयपाल, पंचायत समिति सदस्य जगदीश प्रसाद गुर्जर, मनोज मील सहित बड़ी संख्या में शहीद के परिजनों एवं जन प्रतिनिधियों तथा ग्रामीणों ने गांव के लाड़ले को पुष्प चक्र व पुष्प मालाएं चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद के पार्थिव शव को मुखाग्नि उनके 8 वर्षीय बेटे मयंक ने दी।

भाटीवाड़ के पूर्व सरपंच विजयपाल ने बताया कि शहीद के परिवार में 60 वर्षीया माता दड़की देवी, 32 वर्षीय वीरांगना सरोज देवी और 8 वर्षीय पुत्र मयंक व 5 वर्षीय पुत्री विनिका के अलावा एक बड़ा भाई ग्यारसी लाल है जो बैंक में सहायक मैनेजर के पद पर कार्यरत है। शहीद की दो बहिनें भी हैं जो विवाहित हैं। शहीद सम्पत लाल चार भाई बहिनों में सबसे छोटा था। शहीद ने 11 वीं तक की शिक्षा ग्रहण की थी और 1994 में सी.आर.पी.एफ. में भर्ती हुये थे। अंत्येष्टि स्थल पर भी शहीद की शहादत के संबंध में- शहीद तेरे सपनों को मंजिल तक पहुंचायेंगे, नक्सलवाद मुर्दाबाद, जब तक सूरज चांद रहेगा सम्पत लाल तेरा नाम रहेगा जैसे नारे लगाये जा रहे थे।

<u>कर्नल ने ईमानदारी का परिचय दिया:</u> दुराणा के सेवानिवृत कर्नल एस.बी. सिंह ने गुरूवार को ईमानदारी का परिचय देते हुए उन्हें मिले 23 हजार रूपये के नोट असली मालिक को लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया है। हुआ यूं कि कर्नल को यह राशि पंजाब नेशनल बैंक में पड़ी मिली थी। जब उन्होंने शाखा प्रबन्धक को रूपयों के बारे में बताया तो यह राशि बैंक की नहीं होने पाई गई। थोड़ी देर बाद रूपयों का असली मालिक भगवती ऑटो व्हिलस प्रा. लि. का प्रतिनिधि बैंक में आया और उसने 23 हजार रूपये गुम होने की बात कही तो शाखा प्रबन्धक ने रूपयों की पहचान करके उन्हें यह राशि वापस लौटा दी।